IMPEDE : स्तभ्नाति (स्तम्भ्, c. 9.) : v. To stop, hinder, retard.

IMPEDIMENT : (1) व्याघातः ; (2) प्रतिबन्धः ; (3) प्रत्यूहः ; (4) बाधा ; (5) प्रतिष्टम्भः : v. Also obstacle.

IMPEL : I. To drive : q.v. : प्रणो(चो)दयति (नुद्, *or* चुद्, c. 10.). II. To urge on : q.v. : (1) प्रणो(चो)दयति ; (2) नि-योजयति, प्र-, (युज्, c. 10.) (=to employ), *i. s. me to ask* : बलान्मां प्रश्नकर्मणि नियोजयति, K.

IMPEND : I. To hang over : expr. by उपरि (=above). II. To be imminent : (1) प्रत्यासीदति (सद्, c. 1.) (=approach) ; (2) पतति, सं-, आ-, (पत्, c. 1.) (=to befall).

IMPENDENT, IMPENDING : (1) प्रत्यासन्न (f. न्ना) ; (2) सन्निकृष्ट (f. ष्टा) ; (3) उपनतः (ता, तं) (=arrived).

IMPENETRABILITY : अभेद्यता etc. : v. Impenetrable.

IMPENETRABLE : (1) अभेद्य (f. द्या), *i. to the sun* : अभानुभेद्य (f. द्या), K. ; (2) by circumlo, *his mind is i. to advice* : तस्य मनसि न विशन्त्युपदेशाः ; (3) दुष्प्रवेशः (शा, शं) (what cannot be entered) ; (4) गहनः (ना, नं) (=thick).

IMPENITENCE : काठिन्यम् (=hardness) : v. Also repentance.

IMPENITENT : (1) expr. by न अनुतप्यते (तप्, c. 4.): v. Repent ; (2) कठिनः (ना, नं) (=hard).

IMPERATIVE : I. Absolute, obligatory : अखण्ड्य (f. ण्ड्या). II. In gram. विध्यर्थकः (का, कं), "लोट्प्रत्ययो भवति धातोर्विध्यादिष्वर्थेषु", Kāśikā.

IMPERCEPTIBLE : (1) दुर्ग्रहः (हा, हं) ; (2) दुर्लक्ष्य (f. क्ष्या) : v. To perceive.

IMPERCEPTIBLY : (1) by adj. ; (2) अल्पाल्पम् (=little by little).

IMPERFECT : I. Not complete : q.v. : असम्पूर्ण (f. र्णा). II. Defective, faulty : q.v. : विकलः (ला, लं). III. In gram. भुतः ; लङ् (in Sanskrit gram. only).

IMPERFECTION : I. Deficiency : q.v.: असम्पूर्णता. II. Fault, want : q.v. : दोषः.

IMPERFECTLY : expr. by adj. : v. Incompletely.

IMPERFECTNESS : (1) असम्पूर्णता ; (2) वैकल्यम् ; (3) अपूर्णता.

IMPERIAL : I. Lit. : expr. by comp., *i. title* : अधिराजशब्दः, Mr. iv. ; *i. fortune* : साम्राज्यश्रीः, Si. xiv. 88. : v. Emperor, empire. II. Superior : q.v.

IMPERIALIST : *सार्वभौमवादिन् (f. नी) ; अधिराजपक्षः.

IMPERIALLY : perh. अधिराजवत् : v. Royally.

IMPERIL : संशयस्थं (f. स्थां) करोति : v. Danger.

IMPERIOUS : उद्धतः (ता, तं) : v. Haughty, arrogant.

IMPERIOUSLY : उद्धतम् : v. Haughtily, arrogantly.

IMPERIOUSNESS : औद्धत्यम् : v. Haughtiness, arrogance.

IMPERISHABLE : (1) अविनश्वरः (रा, रं) ; (2) अविनाशिन् (f. नी) ; (3) अक्षयः (या, यं) (=undecaying).

IMPERISHABLY : expr. by adj., "*i. pure*" : नित्यशुद्ध (f. द्धा), S.

IMPERMEABLE : *it is i. to water* : अत्र जलं न प्रविशति : v. To enter, impenetrable.

IMPERSONAL : in. gram. : *प्रथमपुरुषः (षा, षं).

IMPERSONALLY : *प्रथमपुरुषे (loc. sing).

IMPERSONATE : v. To personate, personify.

IMPERTINENCE : I. Irrelevancy : q.v. II. Impudence, insolence : q.v. : धाष्ट्र्य *or* धृष्टता.

IMPERTINENT : I. Irrelevant : q.v. : असम्पर्क (f. र्का). II. Impudent, insolent : q.v. : धृष्टः (ष्टा, ष्टं).

IMPERTINENTLY : I. Insolently : q.v. : धार्ष्ट्येन. II. Irrelevantly : expr. by adj.

IMPERTURBABLE : (1) अक्षोभ्य (f. भ्या) ; (2) निष्कम्प (f. म्पा) : v. Calm.

IMPERTURBABILITY : (1) अक्षोभ्यता ; (2) अप्रकम्प्यता (rare), Ki. : v. Calmness.

IMPERVIOUS : दुष्प्रवेशः (शा, शं) : v. Impenetrable, impassable.

IMPERVIOUSLY : (1) दुष्प्रवेशम् ; (2) better by adj.

IMPETUOSITY : (1) वेगः : v. Rush ; (2) चण्डता : v. Fury ; (3) संरम्भः : v. Race.

IMPETUOUS : (1) चण्ड (f. ण्डा), प्र-, उत्-, *i. wind* : चण्डो मरुत्, K. xvii. 44. ; (2) खरः (रा, रं), प्र-,